सहायक आचार्य एवं मेडिकल छात्रोंसे मारपीटपर एफआईआर

चक्काजामके दौरान हमलेका आरोप, कारमें तोड़फोड़, पर्स, मोबाइल एवं चेन छिनैती, अज्ञात अधिवक्ताओंपर मुकदमा

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में अधिवक्ता और उनके चालक से मारपीट के विरोध में सोमवार को चक्काजाम व प्रदर्शन के दौरान मेडिकल कॉलेज के सहायक प्राचार्य और आठ मेडिकल छात्रों के साथ मारपीट का मामला सामने आया था।

आरोप है कि प्रदर्शन के बीच कुछ अधिवक्ताओं ने लामबंद होकर हमला किया और कार भी क्षतिग्रस्त कर दी। पर्स, मोबाइल, एवं चेन छिनैती का आरोप है। सहायक आचार्य मेडिसिन विभाग डॉ. विभू मिश्रा की तहरीर पर जार्जटाउन थाने में अज्ञात वकीलों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का दावा है कि सीसीटीवी व वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कारर्वाई की जायेगी। वहीं एक दिनपहले चक्काजाम प्रदर्शन को लेकर पुलिस चौकस रही। एसआरएन अस्पताल में फोर्स तैनात रही। एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में २२ अक्तूबर की रात अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला और उनके ड्राइवर के साथ मारपीट हुई थी। इस मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद विधिक कारर्वाई नहीं होने से क्षुब्ध वकीलों ने सोमवार को चक्काजाम और प्रदर्शन किया। करीब सात घंटे तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

आरोप है कि इसी बीच अस्पताल से कार से घर लौटते समय एसआरएन अस्पताल के मोड़ पर डा. विभू मिश्रा की पिटाई की गई। उन्होंने एफआईआर में आरोप लगाया कि दोपहर करीब साढ़े १२ बजे वकीलों के झुंड ने जानबूझकर हमला किया। सिर, कंधे की हड्डी और शरीर के अन्य हिस्से पर गंभीर चोट आई हैं। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। मारपीट के दौरान उनका पर्स, मोबाइल और सोने की चेन भी छीन ली गई और कार को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। आरोप है कि एमबीबीएस के छात्र अनुज शर्मा, तेजस जोशी, उत्कर्ष शर्मा, आर्य श्रीवास्तव, बलराम, राकेश, वसीम रज़ा और अभिषेक यादव की भी पिटाई की गई। जार्जटाउन थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कारर्वाई की जायेगी। मंगलवार को एसआरएन में पुलिस फोर्स मुस्तैद रही।

रंजिशमें युवकपर हमला तमंचेसे फायरिंगका आरोप

धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर मेंरंजिश को लेकर एक युवक पर हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित अनुज कुमार ने चार लोगों पर डंडे और लोहे की रॉड से हमला करने के साथ ही तमंचे से फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बाएं हाथ पर गोली के निशान होने की बात भी कही है। धूमनगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राजरूपपुर निवासी अनुज कुमार ने २४ अक्तूबर की शाम करीब चार बजे वह चेक लेने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान शनि भारतीय, नैतिक, जितेंद्र कुमार और छोटू ने उसे घेर लिया। आरोप है कि चारों ने गाली-गलौज करते हुए डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

इस दौरान तमंचे से भी फायरिंग की गई। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दोनों पक्षों के बीच करीब दो वर्ष पहले भी मारपीट हुई थी। उस समय जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। आरोप है कि सूअर के कारोबार को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। पीड़ित ने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।

डाक्टरोंपर जानलेवा हमलेसे रोष सुरक्षा एवं कड़ी कारर्वाई की मांग

एसआरएन अस्पताल के समीप डाक्टरों पर किए गये जानलेवा हमले को लेकर डाक्टरों में डर एवं असुरक्षा का माहौल है। इस घटना के विरोध में मंगलवार शाम ६ बजे एएमए ब्लडबैंक में एएमए के अध्यक्ष डा. ज्योति भूषण की अध्यक्षता में बैठक हुयी। बैठक में डाक्टरों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेडिसिन के सहायक आचार्य डा. विभु मिश्रा एवं मेडिकल छात्र डा. अनुज, डा. आर्या, डा. तेजस, डा.बलराम, डा.अभिषेक एवं डा.उत्कर्ष पर कुछ वकीलों ने जानलेवा हमला किया। जिससे कई डाक्टरों को गंभीर चोटें आयी हैं। आईएमए ने प्रशासन एवं बार काउंसिल आफ प्रयागराज से अनुरोध किया है कि घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर मामले की निष्पक्ष जांच की जाए एवं दोषियों पर कड़ी कानूनी कारर्वाई की जाये। साथ अस्पताल के आसपास डाक्टरों की सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था पुख्ता की मांग की गयी।

पुलिसके पहरे में एसआरएन अस्पतालमें चली ओपीडी

काली पट्टी बांधकर जूनियर डाक्टरोंने शांतिपूर्ण जताया विरोध



एसआरएन अस्पताल की चौकी पर भारी पुलिस बल के साथ पीएसी बल भी तैनात रही। ट्रामा सेंटर के समीप बड़ी संख्या में अस्पताल के गार्ड एवं दर्जन भर से अधिक पुलिस मुस्तैद रही।

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंगलवार सुबह से ओपीडी, इमरजेंसी एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं सामान्य रूप से बहाल हो गयी। सोमवार को हुयी हड़ताल के बाद अस्पताल परिसर के भीतर, ट्रामा सेंटर, मुख्य गेट एवं एमजी मार्ग से एसआरए की ओर मोड़ पर बड़ी संख्या में पुलिस बल एवं पीएसी बल देर शाम तक मुस्तैद रही।

कड़ी सुरक्षा के बीच हड़ताल के दूसरे दिन मंगलवार सुबह से ही ओपीडी में मरीजों के पर्चे बनाए गए, सोमवार को हुए हंगामें के असर के कारण ओपीडी में देखने को मिला, स्किन, ईएनटी, टीबी, न्यूरोलाजी एवं मेडिसिन विभागों में अन्य दिनों की अपेक्षा मरीजों की भीड़ भी कम देखने को मिली। सोमवार को मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डा.विभु मिश्रा एवं कई जूनियर डाक्टरों के साथ की गयी मारपीट की घटना से डाक्टरों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

अपनी सुरक्षा एवं घटना के विरोध में जूनियर डाक्टरों ने ओपीडी, इमरजेंसी एवं अन्य वार्डो में हाथों पर काली पट्टी बांधकर मरीजों का इलाज किया और अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया।

सुबह से लेकर दोपहर दो बजे तक अस्पताल के पंजीकरण कक्ष, पर्चा काउंटर, यूजर चार्जेस एवं केन्द्रीय पैथोलाजी में मरीजों की भीड़ लगी रही। सीटी स्कैन, एमआरआई एवं पैथोलाजी जैसी महत्वपूर्ण जांच सेवाएं भी सामान्य रूप से चलती रहीं। जिससे दूर-दराज से आए मरीजों को भटकना नहीं पड़ा। सुरक्षा को देखते हुए सुबह से देर शाम तक

ट्रामा सेंटरके भूतलपर ही होगा अब ईएमयू के गंभीर मरीजोंका इलाज

मरीजोंकी सहूलियतके लिए वार्डमें १२ बेड आरक्षित, रुकेगा विवाद

वकीलों एवं डाक्टरों के बीच हाल ही में हुए विवाद के बाद अस्पताल प्रशासन ने एक सकारात्मक एवं बड़ा बदलाव करते हुए अब ट्रामा सेंटर से गंभीर मरीजों को इलाज के लिए नई बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर स्थिति मेडिसिन इमरजेंसी यूनिट (ईएमयू) में नहीं भेजा जायेगा।

इसके बजाय मेडिसिन इमरजेंसी यूनिट के मरीजों को अब ट्रामा सेंटर के भूतल पर पैथोलाजी के पास बने वार्ड में ही भर्ती कर तुरंत इलाज दिया जायेगा।

मरीजों की सहूलियत के लिए इस वार्ड में १२ बेड आरक्षित किये गये हैं। अस्पताल के सहायक चिकित्सा अधीक्षक मेजर डा. जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि पहले मरीजों को स्ट्रेचर से दूसरी मंजिल पर स्थित ईएमयू वार्ड तक ले जाने में ३० से ३५ मिनट का कीमती समय बर्बाद हो जाता था, इसके अलावा कई बार ऊपर बेड खाली न होने की स्थिति में मरीजों के तीमारदारों एवं डाक्टरों के बीच विवाद खड़ा हो जाता था।

२२ अक्टूबर की रात को भी अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला जब अपने मरीज को लेकर ईएमयू आए थे तब इलाज में देरी एवं प्राथमिकताओं को लेकर जूनियर डाक्टरों के साथ मारपीट की नौबत आ गयी थी।

बीकानेरके ११ प्रतिष्ठानोंपर छापा, लिये गये नमूने

गुणवत्ता जांचमें मिलीं खामियां तो कारोबारियोंपर होगी कारर्वाई

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मंगलवार को जिले भर में बीकानेर के ११ प्रतिष्ठानों में छापाकर कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता परखी और कई जगह से जांच के लिए नमूने लिये। सर्वप्रथम बीकानेर मिष्ठान भंडार, मलाक हरहर सोरांव में संदेह के आधार पर गुलाब जामुन का विधिक नमूना संग्रहित किया गया। मौके पर कार्यरत कार्मिकों को हेड कवर एवं मास्क का उपयोग करने, ढक्कनदार डस्टबिन रखने तथा मिठाइयों पर निर्माण तिथि एवं उपयोग की अंतिम तिथि अंकित करने के निर्देश दिए गए।

बीकानेर मिष्ठान भंडार जार्जटाउन में गुणवत्ता परीक्षण के लिए छेना मिठाई का नमूना लिया। निर्माण स्थल पर पाई गई कमियों के दृष्टिगत सुधार के निर्देश दिये। बीकानेर स्वीट्स तेलियरगंज मिल्क केक का नमूना लिया। कार्यरत कार्मिकों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं मिले। अन्य अनियमितताएं भी पाई गईं, जिनके दृष्टिगत सुधार के निर्देश दिये गये।

बीकानेर मिष्ठान भंडार जीटी रोड हंडिया में छेना मिठाई का नमूना लिया। खाद्य कारोबारकर्ता को विक्रय के लिए रखी गई सभी मिठाइयों एवं नमकीन पर निर्माण तिथि तथा उपयोग की अंतिम तिथि अंकित करने के निर्देश दिये। बीकानेर मिष्ठान भंडार सोरांव मेन रोड में नारियल लड्डू का नमूना लिया। बजरंग बीकानेर मिष्ठान भंडार शांतिपुरम फाफामऊपाई गई कमियों के दृष्टिगत सुधार के निर्देश दिये। बीकानेर स्वीट्स गोविंदपुर में संदेह के आधार पर बेसन लड्डू का नमूना लिया। कारखाने में स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई तथा कार्यरत कार्मिकों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं मिले। इसके अतिरिक्त, विक्रय के लिए प्रदर्शित मिठाइयों पर निर्माण तिथि एवं बेस्ट बिफोर तिथि अंकित नहीं पाई गई। उक्त कमियों के दृष्टिगत सुधार के लिए नोटिस जारी की गयी। बीकानेर मिष्ठान भंडार लेबर चौराहा अल्लापुर में कार्यरत कार्मिकों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं मिले तथा बिक्री के लिए प्रदर्शित मिठाइयों पर निर्माण तिथि एवं बेस्ट बिफोर तिथि अंकित नहीं पाई गई। संदेह के आधार पर बर्फी का नमूना लिया। बीकानेर स्वीट्स आईएफएफसीओ फूलपुर में गुणवत्ता परीक्षण के लिए रसगुल्ला का नमूना लिया।बीकानेर मिष्ठान भंडार भागवा मार्केट सलोरी से से बूंदी लड्डू का नमूना लिया और अंबिका बीकानेर मिष्ठान भंडार, ६० फीट रोड गौस नगर करेली में कार्यरत कार्मिकों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं पाए गए तथा विक्रय के लिए प्रदर्शित मिठाइयों पर निर्माण तिथि एवं बेस्ट बिफोर तिथि अंकित नहीं मिली। संदेह के आधार पर कलाकंद का नमूना गुणवत्ता परीक्षण के लिए लिया। नमूनों की जांच में कमियां मिली तो कारोबारियों पर कारर्वाई की जायेगी।

कार्यकारिणी सदस्योंकी मतगणनामें सौरभकी बढ़त बरकरार

हाईकोर्ट बार चुनाव : प्रवीण तिवारी दूसरे और देवाशीष तीसरे स्थान पर

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) की मतगणना में १२३८ मतों के साथ सौरभ शुक्ला की बढ़त मंगलवार को भी बरकरार रही। आचार्य प्रवीण तिवारी(११४३) दूसरे और देवाशीष त्रिपाठी(१०६९) तीसरे स्थान हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के वार्षिक चुनाव २०२६-२७ की मतगणना के २५वें दिन मंगलवार को लाइब्रेरी हाल में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) के १० पदों के ७९७८ मतपत्रों की गणना हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकवी ने बताया कि मतगणना में अब तक प्रत्याशी सौरभ शुक्ला को १२३८,आचार्य प्रवीण तिवारी को ११४३, देवाशीष त्रिपाठी को १०६९, अंकुश यादव को ९७१, आदित्य सिंह को ९४७, कृष्ण मोहन सिंह को ९३६,चित्रांशु श्रीवास्तव को ९२१,अखिलेश कुमार शुक्ला को ९१६, अमित सिंह बिसेन को ९००, अभिषेक तिवारी को ८९३, जफर अली को ८६५, कुलदीप त्रिपाठी को ८६०, मोहित कुमार तिवारी को ८६०, सचिन शर्मा को ८४२, विनय कुमार (साहू) को ८३८,रजनी कुमार मिश्र को ७९७, अमित कुमार शुक्ला को ७९४, गौरव मिश्रा को ७८९, अफजल अली को ७८२ मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल १०० प्रत्याशी चुनाव मैदान में है।

मतगणना के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी सैय्यद फरमान अहमद नकवी, चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी, जेबी सिंह, राज कुमार शुक्ला, लक्ष्मीकांत मिश्र, अनुभव शुक्ला सहित शैलेन्द्र सिंह राठौर, सुभाष चन्द्र यादव, दीपक राणा, विक्रम बहादुर सिंह, दीपक यादव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि बुधवार को अपने निर्धारित समयानुसार लाइब्रेरी हाल में मतगणना होगी।

हमलेके विरोधमें डाक्टर एवं छात्रोंने निकाला विरोध मार्च, सौंपा ज्ञापन



एसआरएन अस्पताल के डाक्टरों एवं मेडिकल छात्रों पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में मंगलवार को चिकित्सा समुदाय सड़क पर उतर आया।मेडिकल कालेज के चिकित्सा शिक्षकों, चिकित्सकों एवं मेडिकल छात्रों ने एक सुर में इस घटना की निंदा करते हुए विरोध मार्च निकाला।मार्च के समापन पर मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं यूरोलाजी विभागाध्यक्ष प्रो. डा. दिलीप चौरसिया के नेतृत्व में मेडिकल कालेज के प्रचार्य को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने एवं हमलावरों के खिलाफ कड़ी कानूरी कारर्वाई की मांग करते हुए अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल मजूबत करने की मांग की।हमले एवं तोड़फोड़ में शामिल सभी उपद्रवियों की पहचान के लिए अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखकर जांच में शामिल किया जाय।

इविवि : प्रो. जया कपूर बनीं अंग्रेजी विभागकी अध्यक्ष



इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की नई अध्यक्ष प्रो. जया कपूर ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. इंद्राणी मुखर्जी से पदभार संभाला। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के अनुमोदन के बाद कुलसचिव प्रो. आशीष खरे ने उनको नियुक्ति का आदेश जारी किया था।

पदभार ग्रहण करने के बाद प्रो. जया कपूर ने कहा कि विभाग में बेहतर शिक्षण माहौल तैयार करना और शैक्षणिक व विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित करने और अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों का विस्तार करने पर भी जोर दिया जाएगा। वर्ष १९२२ में स्थापित अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रो. जया कपूर २८वीं अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से परास्नातक और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने वर्ष १९९९ में आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, कानपुर से शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। वर्ष २०१० में वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्त हुईं। प्रो. जया कपूर वर्तमान में विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी के साथ महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक और सरोजनी नायडू महिला छात्रावास की वार्डेन का दायित्व भी संभाल रही हैं। इसके अलावा वह विश्वविद्यालय की लैंग्वेज लैब की जिम्मेदारी भी देख रही हैं। इससे पहले वह विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी में सह निदेशक के रूप में भी सेवाएं दे चुकी हैं।

सात सालोंसे मैमोग्राफी मशीन खराब, चूहोंने कुतरे तार

महिलाओंमें स्तन कैंसर सहित अन्य गांठोंकी होती है जांच, बाहर करानेको मजबूर

एसआरएन अस्पताल में कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए लगायी गयी मैमोग्रीफी मशीन पिछले सात सालों से धूल फांक रही है। मशीन का संचालन न होने से अस्पताल में आने वाली महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। और उन्हें निजी पैथोलाजी में महंगी जांच करानी पड़ रही है। मैमोग्राफी मशीन से महिलाओं में स्तन कैंसर सहित अन्य तमाम अन्य गांठों की जांच होती है। इसका मुख्य काम शुरूआती दौर में ब्रेस्ट कैंसर को चिन्हित करना होता है। हाल ही में दिल्ली से आए इंजीनियरों ने जब मशीन की जांच के लिए चैंबर खोला तो गंदगी का अंबार के साथ चैंबर में लगा एसी गायब मिला। इतना ही नहीं चैंबर के भीतर चूहों ने मशीन के यूपीएस के तारों को कुतर दिया। इंजीनियरों ने मशीन की सर्विस करने से पहले चूहों की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही। बताया गया कि मैमोग्राफी मशीन को वर्ष २०१९ में प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत स्थापित किया गया था लेकिन इमेजिंग चेन न होने के कारण इसे शुरू नहीं किया जा सका था।मौजूदा समय में ब्रेस्ट कैंसर, गले एवं मुंह के कैंसर की शिकायत बढ़ी है। एसआरएन अस्पताल में रोजाना औसतन दस महिलाओं की मैमोग्राफी की जांच लिखी जाती है। निजी अस्पतालों में मैमोग्राफी जांच करीब २५०० से ३५०० रूपये में की जाती है जबकि सरकारी अस्पताल में यह जांच निःशुल्क एवं १५० से २०० में हो जाती है। मेडिकल कालेज के प्राचार्य के अनुसार मैमोग्राफी शुरू करने के लिए संस्था से संपर्क किया जा रहा है, उम्मीद है कि अगले माह में इमेजिंग चेन की उपलब्धता हो जायेगी। इसके बाद मशीन को शुरू किया जा सकेगा। चूहों की रोकथाम के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किय गया है।

अधिवक्ता-डाक्टर मामलेकी जांच करेगी एसआईटी

एसीपी की निगरानीमें तीन सदस्यीय टीम जुटायेगी साक्ष्य

एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला की पिटाई और इसके विरोध में प्रदर्शन के दौरान डॉ. विभु मिश्रा और मेडिकल छात्रों से मारपीट के मामले की जांच अब विशेष जांच टीम (एसआईटी) करेगी। पुलिस प्रशासन ने मंगलवार देर रात एसआईटी गठित कर दी। एसीपी की निगरानी में गठित तीन सदस्यीय टीम में एक निरीक्षक और दो उपनिरीक्षक शामिल किए जाएंगे। टीम दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच कर साक्ष्य जुटाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कारर्वाई की जाएगी। अपर पुलिस आयुक्त के मुताबिक इस प्रकरण में दोनों पक्षों की ओर से मुकदमे दर्ज कराए गए हैं और गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ऐसे में पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी बनाई गई है। टीम सभी पहलुओं की पड़ताल करेगी।

२२ अक्तूबर की रात एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज को लेकर हुए विवाद के दौरान अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला और उनके चालक के साथ मारपीट का आरोप लगा था। इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद विधिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज अधिवक्ताओं ने सोमवार को अस्पताल गेट से महात्मा गांधी मार्ग तक चक्काजाम कर प्रदर्शन किया था। इससे शहर की यातायात व्यवस्था के साथ एसआरएन अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं भी प्रभावित हुई था।

उधर, प्रदर्शन के दौरान मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. विभु मिश्रा ने भी अधिवक्ताओं पर मारपीट और लूटपाट का आरोप लगाया। उनकी तहरीर पर सोमवार रात जार्जटाउन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके अलावा आठ मेडिकल छात्रों की पिटाई का आरोप भी लगाया गया है। मंगलवार को पुलिस प्रशासन ने अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की। अब एसआईटी के गठन के बाद दोनों मुकदमों से जुड़े आरोपों, उपलब्ध साक्ष्यों और घटनाक्रम की कड़ियों की जांच की जाएगी।

कछुआ अभ्यारण्यके लिए बनेगा इको सेंसिटिव जोन

भेजा प्रस्ताव, प्रयागराज-मिर्जापुरसे भदोही तक फैला है वन्य जीव विहार

पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कछुआ वन्यजीव विहार क्षेत्र के लिए इको-सेंसिटिव ज़ोन बनाया जायेगा। यह प्रयागराज, भदोही और मिर्जापुर के लगभग ३० किमी तक फैला होगा। जिसकी निर्माण प्रक्रिया तेज हो गया है।

कछुआ वन्यजीव विहार के चारों ओर इको-सेंसिटिव ज़ोन घोषित होने से गंगा नदी और उसके आसपास के संवेदनशील जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। जोन की मैपिंग का काफी हद तक कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इसमें श्री स्ट्रिप्ड रूफ्ड, ब्लैक स्पाटेड, साफ्ट शेल, रेड एवं ब्राउन रूफ्ड सहित अन्य विलुप्त प्राय कछुए की आमद है।

नदी के दोनों ओर १०-१० किमी का सेन्सिटिव जोन बनाया जा रहा है। इससे कछुओं और अन्य जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास में होने वाले अवैध खनन, अनियंत्रित निर्माण और प्रदूषणकारी गतिविधियों पर कड़े नियम लागू किए जा सकेंगे। इसके लिए सामाजिक वानिकी प्रभाग ने विस्तृत ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार कर मंजूरी के लिए शासन को भेज दिया है। यह प्रक्रिया पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। नव-घोषित कछुआ वन्यजीव विहार क्षेत्र-जिसका विस्तार प्रयागराज, भदोही एवं मिर्जापुर जनपदों तक होगा। इसके लिए इको-सेंसिटिव ज़ोन के निर्धारण की प्रक्रिया की जायेगी। जिसका ड्राफ्ट नोटिफिकेशन तैयार कर लिया गया है। इसकी फाइल मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव को भेजी जा चुकी है। मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मुख्य वन संरक्षक (दक्षिणी क्षेत्र), प्रभागीय वनाधिकारी भदोही और मिर्जापुर को अवगत करा दिया गया है। बता दें कि गंगा की लहरों के बीच लुप्तप्राय कछुओं के संरक्षण के लिए वन विभाग ने बड़ी कवायद शुरू की है।

प्रयागराज, मिर्जापुर और भदोही जिलों के गंगा तटीय इलाकों को कछुओं के लिए एक सुरक्षित वास-स्थल के रूप में विकसित करने के लिए विशेषज्ञों की टीम ने सर्वे किया था। वन विभाग ने कछुओं के रहन-सहन और उनके लिए अनुकूल वातावरण की पहचान करने के लिए इविवि के वनस्पति विज्ञान के साथ मिलकर कार्य योजना तैयार की है। परियोजना में प्रयागराज का १० किमी, मिर्जापुर २० किमी और भदोही ३० किमी क्षेत्र शामिल है। जिसका मुख्य केंद्र मिर्जापुर का कोटरी क्षेत्र है, जहां गंगा किनारे करीब ४ किलोमीटर के तटीय हिस्से को चिन्हित किया गया है। विभाग का लक्ष्य कछुओं के लिए एक आदर्श ईको-सिस्टम बनाना है ताकि उनकी आबादी को पुनर्जीवित किया जा सके।

एसडीओ संगीता का कहना है कि वन विभाग का यह शोध पूरी तरह से वैज्ञानिक आधार पर होगा, ताकि कछुओं के प्राकृतिक आवास को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के विकसित किया जा सके। जल्द ही इस संरक्षण योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी है, जिससे गंगा की जैव-विविधता को पुनर्जीवित करने में बड़ी मदद मिलेगी। प्रभागीय वनाधिकारी अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि कछुआ सेन्च्युरी का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। यह पर्यावरण और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम है। विभाग को पूरी उम्मीद है कि इस प्रस्ताव को जल्द ही हरी झण्डी मिल जायेगी।

जोन छहमें अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

पीडीए के जोनल अधिकारी गौरव कुमार मल्ल के नेतृत्व में मंगलवार को जोन-६ क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कारर्वाई की गयी। जोनल अधिकारी के मुताबिक मलाक हरहर में उदय चंद्र मौर्या, दीप चंद्र मौर्या, शंकर नाऊ, नंदलाल नाऊ द्वारा करीब छह बीघा, गोहरी प्रतापगढ़ रोड पर रविशंकर पटेल, जैद अहमद, संतोष पांडेय एवं अन्य द्वारा करीब १६ बीघे में की गयी अवैध प्लाटिंग को बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया गया। आरोपितों के खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज भी कराया जायेगा। जोनल अधिकारी ने बताया कि अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग करनेवालों के खिलाफ कारर्वाई लगातार जारी रहेगी। इसलिए ऐसे लोग पीडीए से नक्शा पास कराकर ही निर्माण कार्य करायें। साथ ही अन्य लोग किसी भी अवैध प्लाटिंग, बाढ़ क्षेत्र में भूखण्डों का क्रय विक्रय न करें। कारर्वाई में अवर अभियन्ता श्याम कृष्ण राय, सुपरवाईजर एवं पीडीए प्रवर्तन टीम आदि मौजूद रहे।

कर अधिवक्ता संघटनने की व्यापारियोंके रिफंड शीघ्र जारी करनेकी मांग



जीएसटी कमिश्नर डा. नितिन बंसलने शीघ्र भुगतानका दिया आश्वासन

उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संघटन ने जीएसटी कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर व्यापारियों के हित में वाणिज्य कर के अंतर्गत अतिरिक्त जमा धनराशि का रिफंड जल्द जारी करने की मांग की है। अधिवक्ता संघटन का कहना है कि व्यापारियों की धनराशि समय से वापस मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। साथ ही, वाणिज्य कर अधिनियम के तहत लागू ब्याज माफी योजना का लाभ अधिक से अधिक व्यापारियों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन, लखनऊ के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवं अधिवक्ता विक्रमजीत सिंह भदौरिया ने मंगलवार को सर्किट हाउस में जीएसटी कमिश्नर डा. नितिन बंसल से मुलाकात की और अपनी मांगों पर विस्तार से वार्ता की। कहा कि कई व्यापारियों पर बकाया मूलधन से अधिक ब्याज हो जाने के कारण आर्थिक बोझ बढ़ गया था। ऐसे में ब्याज माफी योजना उनके लिए राहत का अवसर है। उन्होंने विभाग से योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पात्र व्यापारियों को इसका लाभ दिलाने की अपील की।

उन्होंने कमिश्नर का बुके देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया और ब्याज माफी योजना के लिए प्रदेश सरकार तथा विभाग के प्रति आभार जताया।इस पर कमिश्नर डा. बंसल ने आश्वासन दिया कि प्रदेश में व्यापारियों के देय रिफंड का जल्द भुगतान कराने का प्रयास किया जाएगा।

पीईटी परीक्षाके लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा पीईटी परीक्षा-२०२६ के दौरान परीक्षार्थियों की सम्भावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए और उन्हें अतिरिक्त यात्रा सुविधा प्रदान करने के लिए गाड़ी संख्या ०१८२५ और ०१८२६ प्रयागराज-मैनपुरी-प्रयागराज अनारक्षित परीक्षा विशेष ट्रेन का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या ०१८२५ (प्रयागराज से मैनपुरी) २९ एवं ३१ अक्तूबर को कुल दो फेरे संचालित होगी। गाड़ी संख्या ०१८२६ (मैनपुरी से प्रयागराज) ३० अक्तूबर एवं एक नवम्बर को कुल दो फेरे संचालित होगी।

विशेष ट्रेनका करछना स्टेशनपर अतिरिक्त ठहराव

उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा सार्वजनिक मांग को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या ०४१६३ और ०४१६४ नारायणपुर बाज़ार-शकूरबस्ती-नारायणपुर बाजार विशेष ट्रेन का करछना स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या ०४१६३ (नारायणपुर बाज़ार से शकूरबस्ती) ३१ अक्तूबर से १६ दिसम्बर तक (प्रत्येक मंगलवार, बुधवार एवं शनिवार) और गाड़ी संख्या ०४१६४ (शकूरबस्ती से नारायणपुर बाजार) ३० अक्तूबर से १५ दिसम्बर तक (प्रत्येक सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार) चलेगी।

गाड़ी संख्या- ०४१६३ नारायणपुर बाजार-शकूरबस्ती करछना स्टेशन पर रात्रि आठ बजकर तीन मिनट पर आगमन और आठ बजकर पांच मिनट पर प्रस्थान करेगी।

इसी क्रम में गाड़ी संख्या-०४१६४ शकूरबस्ती-नारायणपुर बाजार करछना नौ बजकर ५८ मिनट पर और प्रस्थान दस बजे करेगी।

पीडीए सचिवको जवाब दाखिल करनेका आदेश

(विधि संवाददाता)

सत्र न्यायालय ने श्रीमती सुशीला बनाम सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण एवं अन्य विचाराधीन मामले में पी डी ए के सचिव को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर ३ नवंबर २०२६ को लिखित कथन - आपत्ति दाखिल करने के लिए आदेशित किया है। मामले में मुआवजा धनराशि को लेकर विवाद है।यह आदेश वादी के अधिवक्ता वेद प्रकाश दुबे एवं मनीष पांडे को सुनकर अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या २१ की अदालत ने दिया है।

नयी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनका संचालन चार नवम्बरसे

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या १८०६१ और १८०६२ सांतरागाछी-खातीपुरा-सांतरागाछी साप्ताहिक एक्सप्रेसका नियमित संचालन प्रारम्भ किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस ट्रेन सेवा का उद्घाटन बीते २६ अक्तूबर